बरोदिया प्लांटेशन में भीषण आग से हड़कंप

वन विभाग की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा ; सुरक्षित बचा अधिकांश हिस्सा

नवभारत न्यूज

गुना 20 मार्च का। फतेहगढ़ वन परिक्षेत्र के बरोदिया प्लांटेशन में बीती रात अचानक लगी भीषण आग ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की सांसें फुला दीं। हालांकि, सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रियता दिखाते हुए मोर्चा संभाला, जिसके चलते प्लांटेशन का एक बड़ा हिस्सा जलने से बच गया।

जानकारी के अनुसार, बीट जौहरी के बरोदिया प्लांटेशन में गुरुवार रात लगभग 10 बजे अचानक आग की लपटें उठनी शुरू हुईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 75 हेक्टेयर में फैले

इस विशाल क्षेत्र के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना मिलते ही मौके पर तैनात चौकीदार ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। प्लांटेशन के चौकीदार का दावा है कि सूचना के महज एक घंटे के भीतर ही नाकेदार और डिप्टी रेंजर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँच गए थे और ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए गए। आग बुझाने के लिए बमोरी और गुना से फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ बुलाई गईं। बमोरी से आई दमकल ने शुरूआत में आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन बरोदिया में बिजली गुल होने के कारण रिफिलिंग में समस्या आई। दमकल वाहन को पानी भरने के लिए 6 किलोमीटर दूर ग्राम दोहरदा जाना पड़ा। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद वन विभाग की टीम और ग्रामीणों ने हार नहीं मानी और सामूहिक प्रयासों से रात 3 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

सतर्कता से बची लाखों पौधों की जान

शुरूआती कयासों में भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन मौके पर मौजूद अधिकारियों का कहना है कि समय रहते प्रभावी घेराबंदी (फायर लाइन) करने से आग को फैलने से रोक लिया गया। हालांकि, आग की चपेट में आने से बड़ी संख्या में पेड़-पौधे झुलस गए हैं, लेकिन वन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया की वजह से प्लांटेशन का अधिकांश हिस्सा सुरक्षित बचा लिया गया है। साल 2023 में तैयार किए गए इस प्लांटेशन को बचाने के लिए विभाग ने पूरी ताकत झोंक दी थी।

मानवीय चूक की आशंका

आगजनी के कारणों को लेकर फिलहाल जांच जारी है। प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि किसी राहगीर या ग्रामीण द्वारा जलती हुई बीड़ी फेंकने जैसी मानवीय गलती से यह चिंगारी भड़की होगी। वन विभाग इस मामले की विस्तृत जांच कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय लोगों ने भी माना कि यदि विभाग के जिम्मेदार अधिकारी समय पर सक्रिय न होते, तो नुकसान का आंकड़ा कहीं अधिक बड़ा हो सकता था।

कुंभराज में कानून-व्यवस्था सुधारने मैदान में उतरे अधिकारी

एसडीएम और एसडीओपी ने किया थानों का संयुक्त निरीक्षण

गुना। क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त मोर्चा संभाला है। इसी क्रम में 20 मार्च को एसडीएम चाचौड़ा रवि मालवीय और एसडीओपी मनोज झा द्वारा बांसाहेड़ा चौकी और मृगवास थाने का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने पुलिस कार्यप्रणाली के साथ-साथ थानों में बुनियादी सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुलिस बल को निर्देशित किया कि थानों में आने वाले फरियादियों और आम नागरिकों के साथ सौम्य एवं संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की छवि जनता के बीच मददगार की होनी चाहिए। साथ ही, पीड़ितों की लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित प्रभारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। एसडीएम और एसडीओपी ने चौकी व थाना परिसर में साफ-सफाई की स्थिति देखी और शिकायत पंजी का अवलोकन किया। फरियादियों के बैठने की व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी परखा गया। हवालात का निरीक्षण करते हुए वहां की सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने लंबित अपराधों की समीक्षा की और जांच प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

संसाधनों के लिए एसपी कार्यालय भेजी जाएगी मांग

निरीक्षण के दौरान थानों में आवश्यक सामग्री और संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय को तत्काल मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों का मानना है कि इस प्रकार के अनुभाग स्तरीय संयुक्त निरीक्षणों से न केवल पुलिसिंग में सुधार होगा, बल्कि जिले में शांति व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस अवसर पर मृगवास थाना प्रभारी सुरेश कुशवाह, बांसाहेड़ा चौकी प्रभारी जगदीश जाटव सहित पुलिस बल और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

किलामपुर कलेछेरी में भारी तनाव, वन विभाग और ग्रामीण आमने-सामने

बमोरी क्षेत्र के ग्राम किलामपुर कलेछेरी में गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब सरकारी जमीन पर कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प की स्थिति बन गई। ग्रामीणों के भारी विरोध और तीखी बहस के बाद वन विभाग के कर्मचारियों को मौके से भागकर अपनी जान बचानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे वन विभाग की टीम ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहनों के साथ कथित अतिक्रमण वाली जमीन पर पत्थर डालने की तैयारी करने पहुँची थी। यह मामला लंबे समय से कोर्ट में विचाराधीन बताया जा रहा है। जैसे ही टीम ने काम शुरू करने की कोशिश की, बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट हो गए और टीम को घेर लिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और झूमा-झटकी शुरू हो गई। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय कर्मचारी सरकारी गाड़ियों में गैस की टंकी रखकर लाए थे और मौके पर पार्टी करने की तैयारी में थे। ग्रामीणों ने इस संबंध में वीडियो साझा कर सच्चाई बताने का दावा किया है। उनका आरोप है कि अधिकारी कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति और निजी आयोजन करने पहुँचे थे।

ग्रामीणों का कहना है कि यह विवाद नया नहीं है। इस संबंध में वे पहले भी 6 जनवरी को गुना एसपी से मिलकर शिकायत दर्ज करा चुके हैं। ग्रामीणों का तर्क है कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तो विभाग जबरदस्ती पत्थर डालने की कार्रवाई कैसे कर सकता है। धक्का-मुक्की और बढ़ते तनाव को देखते हुए वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके से वापस लौट गए।

फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। इस झड़प के बाद अब विभागीय अधिकारियों और ग्रामीण नेतृत्व के बीच कानूनी दांव-पेच और भी उलझते नजर आ रहे हैं।

लाखों खर्च के बाद भी फतेहगढ़ ग्राम पंचायत के हालात बदतर

बमोरी/फतेहगढ़। बमोरी जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में विकास के दावे केवल कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। स्वच्छता के नाम पर हर माह मोटी राशि खर्च करने के बावजूद जमीनी हकीकत इसके उलट है। जनपद के सबसे बड़े नगरीय केंद्र माने जाने वाले फतेहगढ़ में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्राउंड जीरो पर की गई पड़ताल में सामने आया कि फतेहगढ़ पंचायत स्वच्छता के मामले में सबसे अधिक पिछड़ी हुई है। नियमानुसार पंचायतों में साफ-सफाई के लिए हर महीने एक बड़ी राशि का भुगतान मासिक बिलों के

जरिए किया जाता है, लेकिन इसके बावजूद गांव के सार्वजनिक स्थानों और चौराहों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बजट ठिकाने लगाया जा रहा है, लेकिन गलियों की सफाई की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। स्वच्छता के साथ-साथ फतेहगढ़ में अब शुद्ध पेयजल का संकट भी गहराने लगा है। लापरवाही का आलम यह है कि छबड़ा चौराहे पर जल जीवन मिशन की मुख्य

कागजों पर स्वच्छता, जमीन पर कूड़े के ढेर

सप्लाई लाइन को गंदी नाली के भीतर ही अंडरग्राउंड कर दिया गया है। बीते कुछ समय से इस पाइपलाइन में लीकेज की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण नाली का दूषित पानी सप्लाई लाइन में मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नलों से बदबूदार और गंदा पानी आने के कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में हुई इस बड़ी चूक पर प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह है कि जनपद प्रशासन इस लापरवाही पर क्या कड़ा कदम उठाता है।

ऑटो चालकों को नियमों के पालन की दिलाई शपथ

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में गुना पुलिस द्वारा जिले भर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बजरंगगढ़ थाना प्रभारी और उपनिरीक्षक कृपाल सिंह परिहार ने क्षेत्र के सभी ऑटो चालकों की एक विशेष बैठक आयोजित की। थाना परिसर में आयोजित इस बैठक के दौरान ऑटो चालकों को सख्त निर्देश दिए गए कि वाहन चलाते समय सभी वैध दस्तावेज (लाइसेंस, परमिट, बीमा आदि) अनिवार्य रूप से साथ रखें। वाहन की गति नियंत्रित रखने और सार्वजनिक मार्गों पर अव्यवस्थित तरीके से ऑटो खड़ा न करने की हिदायत दी, ताकि यातायात बाधित न हो और दुर्घटनाओं कम हों सके।

जैन श्वेतांबर नव युवक मंडल ने जिला अस्पताल में 2 शीतल जल प्याऊ का किया भव्य उद्घाटन

गुना। समाजसेवा और जीवदया के क्षेत्र में सक्रिय संस्था जैन श्वेतांबर नवयुवक मंडल द्वारा निरंतर तीसरे वर्ष जिला चिकित्सालय परिसर में शीतल जल सेवा का विस्तार किया गया है। भीषण गर्मी की दस्तक के साथ ही संस्था ने अस्पताल में दो प्याऊ का उद्घाटन किया, जो मरीजों और उनके साथ आने वाले अटेंडरों के लिए किसी जीवनदायिनी से कम नहीं हैं। इस वर्ष इन प्याऊ के मुख्य लाभार्थी आनंद सिंह लोढ़ा रहे, जिन्होंने औपचारिक रूप से इनका उद्घाटन किया। गौरतलब है कि जिला अस्पताल परिसर में वर्तमान में केवल दो प्याऊ संचालित हैं और इन दोनों का प्रबंधन जैन श्वेतांबर नवयुवक मंडल द्वारा ही किया जाता है। ये प्याऊ मरीजों की सुविधा के लिए 24 घंटे खुले रहते हैं, जिससे अस्पताल आने वाले हजारों लोगों को ठंडे और शुद्ध पेयजल के लिए भटकना नहीं पड़ता। संस्था अध्यक्ष डॉली जैन ने जानकारी दी कि नवयुवक मंडल द्वारा पूरे शहर में कुल पांच प्याऊ का संचालन किया जाता है। इनमें से दो का शुभारंभ आज चिकित्सालय परिसर में किया गया है, जबकि शेष तीन प्याऊ का उद्घाटन भी शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

आप जैसे नकारा...वाले बयान पर विधायक का यू-टर्न

गुना। विधायक पन्नालाल शाक्य ने एक दिन पहले मानस भवन में दिए गए अपने बयान पर यू-टर्न ले लिया है। दरअसल, गुड़ी पड़वा के अवसर पर मानस भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम विक्रमोत्सव में पन्नालाल शाक्य ने जिला प्रशासन के कामों को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और कलेक्टर की ओर मुखातिब होकर कह दिया कि आप जैसे नकारा अफसर आते जाएंगे और चले जाएंगे...। इस बयान को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। पन्नालाल का बयान मीडिया की सुर्खियां बन गया है। हालांकि 24 घंटे बाद ही गुना विधायक ने अपने बयान को लेकर कहा है कि नकारा शब्द का अर्थ गलत निकाला गया, वह कलेक्टर या प्रशासन को कठघरे में कतई खड़ा नहीं करना चाहते थे। शुक्रवार को अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से सौजन्य भेंट करने के दौरान गुना विधायक ने कहा कि टीआरपी की वजह से उनके बयान को उछाला गया, वह ऐसा नहीं कहना चाहते थे। उनकी मंशा है कि जिला प्रशासन अच्छा काम करे, गुनिया नदी का जीर्णोद्धार और विकास हो। इसके लिए वह स्वयं भी प्रशासन का सहयोग करेंगे। बता दें कि गुना विधायक द्वारा मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गुनिया नदी के जीर्णोद्धार को लेकर प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाए गए थे। उनका कहना था कि काम ऐसा होना चाहिए ताकि राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश न ही बचे। इसके लिए प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है, कागजों में काम नहीं होना चाहिए।

सिंधी समाज ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया चेटीचंड उत्सव

गुना। भगवान झूलेलाल जयंती और चेटीचंड का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थानीय सिंधी समाज द्वारा सुबह 10 बजे जयस्तंभ चौराहे पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ भगवान झूलेलाल के चित्र पर माल्यार्पण कर विधि-विधान से पूजन किया गया।

उत्सव की शुरूआत में भगवान को ताहिरी (मीठे चावल) का भोग लगाया गया, जिसे बाद में राहगीरों और श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी के रूप में वितरित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी राजेश अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान झूलेलाल के चरणों में नमन करते हुए समस्त देशवासियों को जयंती की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। समाज के अध्यक्ष आनंद कृष्णानी ने भगवान झूलेलाल के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए दिन भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। जयंती महोत्सव के अंतर्गत शाम के समय भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। गुरुद्वारा सिंह सभा में शाम 4 बजे से 5 बजे तक सुखमनी साहिब का पाठ किया। इसके पश्चात शाम 5 बजे 'बहिराना' प्रज्वलित किया गया, जहाँ श्रद्धालु गीत-कीर्तन के माध्यम से भक्ति भाव प्रकट करेंगे। शाम 7.30 बजे से रात 9.30 बजे तक सामूहिक लंगर सेवा का आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के सभी लोग शामिल होकर अरदास करेंगे। जिसमें समाज के अनेक गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूरा सिंधी बाहुल्य क्षेत्र भगवान झूलेलाल के जयकारों से गुंजायमान रहा।

समाजसेवी भजन राठौर की अनूठी पहल

गुना। समाजसेवा और परमार्थ की दिशा में ग्राम छैबलाई एक बार फिर साक्षी बनने जा रहा है। आगामी 27 मार्च को समाजसेवी प्रेम नारायण राठौर 'भजन' द्वारा 17 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भव्य नि:शुल्क सर्वजातीय विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश के गुना, विदिशा, राजगढ़, शिवपुरी सहित उत्तर प्रदेश से आए कुल 121 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। विवाह सम्मेलन के पूर्व चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम छैबलाई स्थित गोंड देवता प्रांगण में श्रीमद् भागवत सप्ताह का आयोजन होगा। 20 मार्च को भव्य कलश यात्रा और देव पूजन के साथ कथा का शुभारंभ हो गया, जिसमें कथा व्यास पंडित नीरज कृष्ण शास्त्री अपनी अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे। 21 मार्च को परीक्षित संवाद और सुखदेव आगमन के बाद 27 मार्च को सुबह 8 बजे से मुख्य विवाह सम्मेलन की रस्में प्रारंभ होंगी। समाजसेवी भजन राठौर ने बताया कि विवाह बंधन में बंधने वाले प्रत्येक नवयुगल को राठौर परिवार की ओर से उपहार स्वरूप टीवी, अलमारी, मंगलसूत्र, बर्तन एवं अन्य सामग्री दी जाएगी ताकि नवदंपत्ति सम्मान के साथ अपनी नई जीवन यात्रा शुरू कर सकें।

अवंती बाई ने चुना हड़प के सामने झुकने की जगह संघर्ष का रास्ता, लोधा-लोधी समाज ने मनाया बलिदान दिवस

गुना। 1857 की क्रांति की प्रखर महानायिका, वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी का बलिदान दिवस शुक्रवार को कुशमौदा स्थित समाज की धर्मशाला में गरिमामय ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर समाज बंधुओं ने रानी अवंती बाई के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर और माल्यार्पण कर उन्हें भावांजलि अर्पित की।

वक्ताओं ने रानी अवंती बाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 16 अगस्त 1831 को सिवनी जिले के मनकेहणी ग्राम में जन्मी अवंतीबाई बचपन से ही घुड़सवारी और तलवारबाजी में निपुण थीं। डिंडोरी जिले के रामगढ़ की बागडोर संभालने के बाद जब लॉर्ड डलहौजी की 'हड़प नीति' के तहत उनके राज्य को हड़पने की कोशिश की गई, तो रानी ने झुकने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। उन्होंने मंडला और सिवनी के जमींदारों को एकजुट करते हुए कड़ा संदेश दिया था—अंग्रेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चूड़ियां पहनकर घर में बैठो। बलिदान दिवस के अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने वीरांगना के जयकारे लगाए।

इस दौरान जिला अध्यक्ष गंगाराम मोडकी, युवा अध्यक्ष जशवंत उमरिया, सचिव लल्लूसिंह, पूर्व अध्यक्ष छतरसिंह, चन्द्रेश, मेघसिंह, रन्जीत सिंह, धन्नालाल, जयप्रताप, विजय सिंह, गणेशराम, कैलाश, चरणसिंह और छतरसिंह सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

मानवीय संवेदना 24 घंटे में खंगाले देशभर के पुलिस स्टेशन और चौराहों के नाम, प्रयागराज में मिली सफलता

7 साल की मासूम को रेलवे स्टेशन पर छोड़ गई मां

गुना। पुलिस ने मानवीय संवेदना और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए रेलवे स्टेशन पर मानसिक विक्षिप्त मां द्वारा छोड़ी गई एक 7 वर्षीय मासूम को महज 24 घंटे के भीतर उसके परिजनों से मिला दिया है। एसपी अंकित सोनी के कुशल निर्देशन में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक सुराग जुटाकर रोती-बिलखती 'रानी' को उसके पिता की गोद तक पहुँचाया। अपने लाड़ली बेटी को जैसे ही उसके पिता ने देखा, उनकी आंखों में आंसुओं का सैलाब और लड़खड़ाती पर जुबान पर गुना पुलिस की तारीफ में सैकड़ों शब्द उमड़ पड़े। दरअसल, घटना 19 मार्च सुबह की है, जब गुना रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ को एक 7 वर्षीय बच्ची लावारिस हालत में मिली। जानकारी के अनुसार,

बच्ची को उसकी मां मीना देवी माली के साथ लाई थी। मीना की दिमागी हालत सही नहीं थी, इसलिए वह मासूम को गुना रेलवे स्टेशन पर ही उतारकर ट्रेन में सवार होकर चली गई। डरी-सहमी बच्ची को देख आरपीएफ ने तत्काल विशेष किशोर पुलिस इकाई और सीआईडी को सूचित किया। बच्ची को लेने के लिए विशेष किशोर पुलिस इकाई के प्रभारी अनिल सिंह तोमर के नेतृत्व में एक टीम गुना रेलवे स्टेशन पर पहुंची और एसपी अंकित सोनी को पूरे मामले की जानकारी दी। शुरूआत में बच्ची इतनी डरी हुई थी कि वह अपना पता या शहर का नाम स्पष्ट नहीं बता पा रही थी। एसपी अंकित सोनी ने तत्काल तकनीकी संसाधनों का उपयोग करने के निर्देश दिए। एसपी से चर्चा के दौरान बच्ची ने टूटी-फूटी भाषा में अपने स्कूल के पास 'काली माता चौराहा' होने की बात कही। पुलिस ने देशभर के कई शहरों में इस नाम को खंगाला, जिसके बाद सुराग उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से जुड़ा हुआ मिला। प्रयागराज पुलिस से संपर्क साधने पर बच्ची के परिजनों की पहचान सुनिश्चित हो सकी। जानकारी मिली कि प्रयागराज के माली परिवार ने बच्ची और उसकी मां की गुमशुदगी दर्ज कराई है। शुक्रवार को जब बच्ची के पिता पिता राम सुंदर अपनी बेटी को लेने गुना पहुंचे, तो दृश्य अत्यंत भावुक कर देने वाला था। पिता को देखते ही मासूम उनके गले लग गई और रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई। बच्ची के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने गुना पुलिस का आभार व्यक्त किया। राम सुंदर ने कहा कि गुना पुलिस ने उनके कलेजे का टुकड़ा उन्हें सौंपा है, वह जीवनभर गुना पुलिस और एसपी अंकित सोनी के आभार रहेंगे।

एसपी बोले, नवदुर्गा पर्व में अवसर मिला, यह सौभाग्य

एक मासूम को उसके पिता को सौंपने पर संतोष व्यक्त करते हुए गुना एसपी ने कहा कि वर्तमान में नवदुर्गा का पर्व चल रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि मैया रानी के दिनों में हमें इस 'रानी' की सेवा करने का अवसर मिला। पुलिस के लिए इससे बड़ी संतुष्टि कुछ नहीं हो सकती कि एक मासूम अपने परिवार से सुरक्षित मिल जाए। एक तरफ माली परिवार अपनी बच्ची को पाकर गदगद है तो वहीं गुना पुलिस नवदुर्गा पर्व के दौरान मां स्वरूपा बेटी को उसके परिवार से मिलाकर आत्मसंतोष की अभिव्यक्ति में डूबी हुई है।

सिरसी में रेत का अवैध परिवहन करते 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

गुना। खनिज विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना और प्राप्त शिकायतों के आधार पर सिरसी थाना क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से भरी 03 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है। खनिज विभाग को लगातार सूचना मिल रही थी कि सिरसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही खनिज विभाग की टीम ने त्वरित घेराबंदी की। जांच के दौरान मौके पर पकड़े गए ट्रैक्टर चालकों के पास रेत परिवहन से संबंधित कोई वैध रॉयल्टी या दस्तावेज नहीं पाए गए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से तीनों वाहनों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सुरक्षा की दृष्टि से सिरसी थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। इस कार्रवाई में खनिज अधिकारी सचिन वर्मा, प्रभारी खनिज निरीक्षक विजय कुमार चक्रवर्ती सहित खनिज विभाग का अमला और अन्य कर्मचारी विशेष रूप से शामिल रहे। विभाग द्वारा संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।